इम्पलीमेंट कब करेंगे ? महोदय, 390 किलोमीटर की नार्थ मे साउथ और साउथ से नार्थ को जोड़ने वाली ट्रेन में, एक बड़ी सेविंग है और फिर यह नेशनल सेविंग है । इसे मंत्री जी गंभीरता से लें । इसके अलावा चन्द्रपुर, गरचरौली, भंडारा और पास में आनेवाले बालाघांट और सिवनी— ये सब नक्सलाइट एरिया है । इसमें ब्रांड गेज न होने की वजह है, साधन न होने की वजह से इंडस्ट्रियलिस्टस वहां नहीं जा रहे हैं और बड़े पैमाने पर यहां नक्सलाइट एक्टविटीज चालू हैं । साथ ही इस एरिया में आयरन ओर और मैंगनीज ओर की बड़ी सपत्ति भी है । इस चीज को मद्दे नजर रखते हुए इस सर्वे को इसी वक्त कंप्लीट करने के लिए आप कब इस काम को हाथ में ले रहे हैं ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): As my honourable colleague has mentioned, it will be in the interests of railways also to increase the line capacity, particularly if we can provide more alternative routes to the south. It is keeping this factor in view the expert committee on railway network expansion has made certain propositions. What we are trying to do is we are not surveying what has already been done; we are only updating our data and what has not been surveyed already is being surveyed now. Once the survey is over and the reports come, we will then know what exactly the cost of that line and other things would be, and then it will go to the Planning Commission. So all these formalities do rquire time and the biggest problem is of finding resources. Resource constraint is also a major problem. We are ourselves very much concerned about the expansion and therefore, I don't think honourable Members should have any anxiety about it.

कुमारी सईदा खातून : माननीय सभापति महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि पहली बार 1969 में सर्वेक्षण किया गया है और दूसरी बार 11 साल के बाद सन् 80 में किया गया है । अब 11 साल फिर हो गए हैं । यह सन् 91 चल रहा है । इस सन् में भी सर्वेक्षण कंप्लीट हो जाना चाहिए और चूंकि इस बड़ी लाइन से बालाघाट भी जुड़ा हुआ है, वहीं से यह लाइन होती हुई जाएगी और बालाघांट में स्मेल्टर प्लांट तभी लग सकेगा जबकि वहां ब्राड गेज हो । महोदय, स्मेल्टर प्लांट का भी सर्वे चल रहा है । तो इस सिलसिले में, अध्यक्ष महोदय, मैं आपका सर्वेक्षण चाहते हुए, मंत्रीजी से आश्वासन चाहूंगी ।

श्री सी० के० जाफर शरीफ : सर्वे जल्दी कराने के लिए कहा गया है ।

श्री सभापति : आप इनका समर्थन कर रहे हैं?

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: This question of converting metre gauge into broad gauge is becoming sentimental. Everytime the reason given is lack of resources. I want to cite one specific example that in Kutch from Gandhidham to Bhuj we have resources also. The citizens have come formard to give money to the Railway Board. But still the Ministry is just keeping quiet. I would like to urge the Railway Minister, through you, that this question should be taken more seriously because the sentiments are running high. Would the Minister consider having bonds as far as resources are concrned?

SHRI MALLIKARJUN: Sir, this is a separate question. Yet I would like to bring to the notice of this House that there are eleven conversions in the pipeline and 24 new lines...

MR. CHAIRMAN: Question Hours is over. Now, Papers to be laid on the Table.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

वर्षा के कारण खाद्यान्नों की क्षति

***285. श्री शांति त्यागी :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी तथा सहकारी क्रय केन्द्रों में रबी के

मौसम के समय आवश्यक प्रबंधों के अभाव में असमय वर्षा अथवा वर्षाकाल की वर्षा के कारण भारी मात्रा में गेहूं खराब हो जाता है;

(ख) यदि हां, तो इसके परिणामस्वरूप इस वर्ष के दौरान अनुमानतः भीगे हुए गेहूं की मात्रा कितनी होगी;

(ग) क्या सरकार भंडारों को बारिश से बचाने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध करायेगी; और

(घ) क्या सरकार आगामी मौसम के लिए क्रय-प्रणाली में परिवर्तन करने का विचार रखती है; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई): (क) और (ख) ऐसे कोई समाचार नहीं हैं।

(ग) संबंधित एजेंसियों द्वारा मंडियों/क्रय केन्द्रों/भंडारण स्थलों पर स्टाक की सुरक्षा करने के लिए व्यवस्था की जाती है।

(घ) वर्तमान वसूली प्रणाली, जोकि अनिवार्यतया मूल्य समर्थन परिचालन है, को जारी रखा जाएगा।

Non-payment of compensation for losses in weight in transhipment of coal

*286. SHRI RAM AWADHESH SINGH:
SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Railways are not compensating for the losses in weight in transhipment of coal; and

(b) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFEER SHARIEF): (a) Yes Sir, except in cases where Railways' negligence is stablished.

(b) Coal is mostly booked at owners' risk rate where Railway's liability is normally not attracted.

दिल्ली विकास प्राधिकरण का तीन शाखाओं में विभाजन

*287. **श्री रणजीत सिंह**:
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:

क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा नियुक्त समिति ने दो वर्ष पूर्व सलाह दी थी कि दिल्ली विकास प्राधिकरण का तीन शाखाओं में विभाजन किया जाये;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त समिति द्वारा किए गये प्रस्ताव का सरकार द्वारा अध्ययन कर लिया गया है;

(ग) यदि हां, तो इसके कार्यान्वित न किए जाने के क्या कारण हैं,

(घ) क्या यह सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण दिल्ली का योजनाबद्ध तरीके से विकास कर पाने में असफल रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार इसके कार्यकरण में सुधार लाने के लिए दिये गए सुझावों को कब तक कार्यान्वित करने का विचार रखती है ?

शहरी विकास मंत्री (श्रीमती शीला कौल): (क) से (ङ) एक विवरण सभा पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

सरकार ने निम्नलिखित आधार पर दिल्ली विकास प्राधिकरण का पुनर्गठन करने का निर्णय 1987 में लिया था :

(i) दिल्ली विकास प्राधिकरण को उसके चार्टर में दिये गये अनुसार मुख्य